23-9-2001

# सदा सन्तुष्टमणि बन
# सन्तुष्टता और प्रसन्नता का अनुभव करो

आज बापदादा के पास गई। बापदादा से नयन मिलन मनाते आगे बढ़ते, परमात्म लव में लवलीन होते सम्मुख पहुँच गई। बापदादा बड़े स्नेही रूप से बोले, बच्ची क्या समाचार लाई हो! मैं बोली, बाबा आज तो हमारी मीठी दादी जानकी जी और साथ में लण्डन निवासी सर्व बच्चों की खास याद-प्यार और सन्देश लाई हूँ। आज तो डायमण्ड हाउस के मकान बनने का कार्य आरम्भ हो रहा है। यू.के. के भाई-बहन आसपास के भी इस कार्य में हिम्मत-उमंग से इक्ट्ठे हो रहे हैं। बाबा बोले, जनक बच्ची तो बड़ी सेवा के उमंग में उड़ रही हैं। जनक बच्ची साथ सर्व लण्डन निवासियों की दिल बहुत बड़ी है क्योंकि बड़े-बड़े बाप के बच्चे हैं। बच्चों की हिम्मत और दृढ़ संकल्प अच्छा है। इसलिए जिस कार्य का संकल्प करते हैं वह सफल हो जाता है।

वर्तमान समय प्रमाण अब सेवा की वृद्धि तो होनी ही है इसलिए विदेश के बच्चों के लिए भी सेवास्थान और स्व-स्थिति तो बढ़नी ही है। बापदादा सभी बच्चों को डायमण्ड हाउस के आरम्भ होने तथा सेवा के उमंग-उत्साह की मुबारक दे रहे हैं, साथ-साथ सभी बच्चों पर रूहानी डायमण्डस की वर्षा कर रहे हैं। इस डायमण्ड हाउस द्वारा अनेक आत्मायें डायमण्ड बन अपना डायमण्ड भाग्य बनायेंगी। अब समय प्रमाण सेवाओं की खान खुलनी ही है क्योंकि आत्माओं में अब शान्ति-सुख की अंचली लेने के निमित्त तड़फ है। आपके सर्व सेवा के स्थान स्प्रीचुअल शमा बन जायेंगे और पंतगे (परवाने) चक्कर लगाते शमा पर पहुँच जायेंगे। इसलिए बापदादा सर्व यू.के. अर्थात् सदा ओ.के. रहने वाले बच्चों की बड़ी दिल पर बहुत खुश है। जनक बच्ची तो है रूहानी मस्ती में उड़ने वाली। साथ में उनके सर्व साथियों को ग्लोबल हाउस, बाबा भवन, रिट्रीट हाउस और साथ में सर्व अन्य सेन्टर के सर्व भुजाओं को बापदादा बड़े स्नेह और दिलाराम दिल से हर बच्चे को नाम सहित याद-प्यार दे रहे हैं। साथ में हर बच्चे की विशेषता पर हर एक को वरदान दे रहे हैं। बच्चे सदा सन्तुष्टमणि बन हर संकल्प में सन्तुष्टता और प्रसन्नता का अनुभव करते कराते रहो।

इसके बाद बाबा ने इस कार्य निमित्त बने हुए पाण्डवों को खास याद दी

और बोले, हर एक बच्चे को कोई-न-कोई विशेषता बाप द्वारा वरदान में मिली हुई है जिससे सेवा में सहज सफलता हो रही है। साथ में बाबा ने मुरली भाई को भी याद किया और कहा सदा निरसंकल्प, बाप की छत्रछाया में है और चलते रहो। बापदादा सदा बच्चों का जिम्मेवार है। साथ में जयन्ती बहन को भी दिल से याद किया और बोले, बच्ची अलौकिक-लौकिक दोनों तरफ की सेवा बहुत सफलतापूर्वक कर रही है। छोटेपन से बच्ची को सेवा में चक्रवर्ती बन चक्कर लगाने में, एवररेडी बनने का वरदान मिला हुआ है। उसको निभा रही है। इसलिए बापदादा मुबारक दे रहे हैं। और साथ में सब बहिनें जो निमित्त हैं उन एक-एक को बापदादा नयनों में समाए याद दे रहे हैं।